कोई मिल गया-2

“लेखिका : आयशा खान प्रेषक : अरविन्द सुरैया उस अजनबी के बदन से अलग हुई और वो दोनों नीचे हम लोगों के पास आ गये। उस अजनबी का लंड अभी भी सख्त था और उस पर सुरैया की चूत का गाढ़ा सफ़ेद रस लगा था। तभी उस अजनबी ने विवेक के पीछे आकर उसके चूतड़ […] …”

Story By: (arvindstory)
Posted: Tuesday, September 20th, 2011
Categories: कोई मिल गया
Online version: कोई मिल गया-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कोई मिल गया-2

लेखिका : आयशा खान

प्रेषक : अरविन्द

सुरैया उस अजनबी के बदन से अलग हुई और वो दोनों नीचे हम लोगों के पास आ गये।

उस अजनबी का लंड अभी भी सख्त था और उस पर सुरैया की चूत का गाढ़ा सफ़ेद रस लगा था।

तभी उस अजनबी ने विवेक के पीछे आकर उसके चूतड़ को सहलाया और फिर एक उंगली विवेक की गाण्ड में पेल दी।

एकाएक गाण्ड में उंगली जाने पर विवेक दर्द से कराह उठा और मेरी चूची उसके मुँह से बाहर हो गई। वह अजनबी विवेक के दर्द की परवाह ना कर उसकी गाण्ड की उंगल-चुदाई करने लगा। तभी सुरैया एकदम नंगी ही मेरे पास आई और विवेक के थूक से भीगी मेरी चूचियों को चाटने लगी। अब कैबिन में चारों जने एक दूसरे से उलझे थे, अब वह अजनबी अपने भारी लंड को धीरे धीरे विवेक की गाण्ड में पेल रहा था और विवेक का लंड मेरी रिस रही चूत में उस अजनबी के धक्के के साथ आ जा रहा था।

सुरैया मेरी चूचियों को मज़ा दे रही थी और मैं उसकी चूत पर लगे चुदाई के पानी को उंगली में ले लेकर चाटने लगी।

जब उस अजनबी का पूरा लंड विवेक की गाण्ड में चला गया तो वह गाण्ड मारने लगा और मैं उसके हर धक्के के साथ नीचे से अपनी गाण्ड उचका उचका कर विवेक के लंड को निगल

रही थी। कैबिन में हम चारों की आवाज़ें गूँज रही थी जिससे बड़ा ही अनोखा संगीत बन रहा था। सुरैया को चोदने में वह अजनबी झड़ा नहीं था इसलिए वह विवेक की गाण्ड में झरने को बेकरार था।

काफ़ी देर बाद विवेक का गाढ़ा पानी मेरी चूत में गिरने लगा तो मैंने उसकी गर्दन को मज़बूती से अपने पैरो में जकड़ा और खुद भी झरने लगी। इधर वह अजनबी भी विवेक की गाण्ड में अपना रस छोड़ने लगा। विवेक गाण्ड में गरम पानी महसूस कर काँपने लगा। मैंने झरते हुए सुरैया के सिर को अपनी चूचियों पर कस लिया था।

हम सभी झरने के बाद सुस्त पड़ गए। कुछ देर बाद उस अजनबी ने अपना लंड विवेक की गाण्ड से बाहर किया तो विवेक भी मुझसे अलग हुआ, मेरी चूत से विवेक के लंड का रस बाहर आने लगा और उसकी गाण्ड से भी रस बाहर गिरने लगा। सुरैया ने अपनी शमीज़ से मेरी चूत साफ की और फिर मैं और सुरैया कपड़े पहनकर टायलेट चले गये। वहाँ जाकर हम दोनों ने पेशाब किया और बिना कुछ बोले वापस आ गई।

जब कैबिन में वापस आए तू वी दोनो कपड़े पहनकर आपस में गपशप कर रहे थे। विवेक ने उस अजनबी का परिचय देते हुए कहा- आयशा डार्लिंग, ये हैं मिस्टर राहुल ! सॉफ्टवेयर इंजिनियर हैं, दिल्ली तक जा रहे हैं और डार्लिंग ये हम लोगों का साथ दिल्ली तक देंगे।

“ओह मिस्टर राहुल, आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई ! विवेक ये बहुत ही दमदार आदमी लगते हैं !” मैं मस्त होकर बोली।

ट्रेन अपनी रफ़्तार से चली जा रही थी, हम लोग आपस में गपशप करते और साथ में छेड़खानी भी कर रहे थे। अब हम लोग नीचे की बर्थ पर ही थे. एक पर मैं विवेक के ऊपर लेटी थी और दूसरी बर्थ पर सुरैया राहुल के ऊपर लेटी थी। विवेक मेरी चूचियों को छेड़ रहा था जबकि राहुल सुरैया की गाण्ड सहला रहा था। हम लोग एक दूसरे को देखकर

मुस्करा रहे थे।

रात के 2 बज रहे थे, अब विवेक मेरे गालों को चूमते हुए मेरी चूत के घने बालों को सहला रहा था और सुरैया राहुल के लंड को सहला रही थी। राहुल भी उसके मम्मों को मसल रहा था जिससे वह सिसक रही थी। तभी मेरा दिल राहुल के लंड के ख्याल से सुलग उठा, उसका लंड विवेक के लंड से काफ़ी तगड़ा था। विवेक के लंड का मज़ा तो मैं ले ही चुकी थी, अब मेरा मन राहुल के लंड से चुदवाने को बेकरार हो गया।

यह ख्याल आते ही मैं बोली- मेरा ख्याल है कि अब हम लोग अपने अपने साथी बदल लें ?

मेरी बात सुनकर राहुल मुझे घूरने लगा। उसके घूरने के अंदाज़ से मैं समझ गई कि वह भी मेरी जवानी को चखना चाहता है। मैं उसके घूरने पर मुस्करती हुई बर्थ से उठी तो वह फ़ौरन मेरे पास आया और चिपक कर मुझे चूमने लगा। उसका चुम्बन मुझे मदहोश कर गया और मैं उससे चिपक गई।

विवेक और सुरैया एक बर्थ पर चुपचाप बैठे हम दोनों को देख रहे थे। मैं राहुल के साथ खूब आ ऊ कर सीसियाते हुए मज़ा ले रही थी, हम दोनों एक दूसरे को होंठों पर किस कर रहे थे, राहुल मेरे नाज़ुक बदन को भींचकर मेरे होंठ चूमते हुए मेरी जम्पर को मेरे बदन से अलग करने लगा। मुझे इस वक़्त कपड़े बहुत भारी लग रहे थे, नंगे होकर ही चुदाई का मज़ा अलग ही आता है।

कुछ देर में राहुल ने मुझे नंगा कर दिया और मेरी गोरी गोरी चूचियों को मेरे पीछे से चिपककर पकड़ लिया और दबाने लगा। इस तरह से उसका लंड मेरी गाण्ड की दरार पर चिपका था और मेरी सनसनी बढ़ने लगी।

मैंने विवेक और सुरैया को देखा, वो अलग अलग बैठे हमें ही देख रहे थे। अब राहुल

अपनी उंगली को मेरी चिपकी जाँघों पर लाकर मेरी चूत सहलाने लगा था। तभी उसने मेरी क्लिट को मसला तो मेरी चूत ने जोश में आकर पच से पानी बाहर फेंक दिया। मैं मस्त होकर चूत में लंड डलवाने को बेकरार हुई तो राहुल के कपड़े खोलकर उसे भी एकदम नंगा कर दिया।

ओह, नंगा होते ही राहुल का लंड फुदकने लगा, एकदम लोहे के डण्डे की तरह लग रहा था। उसका लंड अपने हाथ में लेकर मैं सहलाने लगी, सच में यह विवेक के लंड से काफ़ी बड़ा था। मैं हाथ से मुठियाने लगी तो राहुल मेरी चूत को उंगली से चोदने लगा।

कुछ देर बाद राहुल नीचे बैठा और अपना चेहरा मेरी जाँघों के बीच ला मेरी चूत पर जीभ फिराने लगा।

ओह… चूत चुसवाने पर मैं गनगना उठी। वह अपनी जीभ को चूत के चारों तरफ फिरा कर चाट रहा था, मेरी झांटों को भी चाट रहा था और मैं अपनी जाँघों को फैलाती चली गई, उसके थूक से मेरी चूत भीगी थी और वह मेरी भगनासा को मुँह में लेकर चूस रहा था। विवेक और सुरैया अभी भी चुपचाप हम दोनों को देख रहे थे। यह कहानी आप अन्तर्वासना.कॉम पर पढ़ रहे हैं।

मैं सुरैया से बोली- अरे सुरैया, तुम क्या हम लोगों को ब्लू फिल्म की तरह देख रही हो? अरे क्यों मज़ा खराब कर रही हो? तुमको लंड की ज़रूरत है और विवेक को चूत की, तुम विवेक के लंड का मज़ा लो।

मेरे बोलने का असर उन दोनों पर हुआ, उन दोनों ने एक दूसरे को देखा फिर विवेक उठकर सुरैया के पास गया और उसके गाल को चूमने लगा। सुरैया गाल पर चुम्बन पाकर मस्त हो गई और खड़ी होकर विवेक से चिपककर उसके होंठ चूमने लगी।

मैंने राहुल के चेहरे को अपनी चूत पर दबाया और उन दोनों को देखने लगी। विवेक जम्पर के अंदर हाथ डालकर सुरैया की चूचियों को पकड़े था और सुरैया विवेक के लंड को। अगले कुछ ही वक़्त में विवेक ने सुरैया को एकदम नंगा कर दिया। सुरैया की चूत पर घुंघराले बाल थे जिनको विवेक उंगली से सहलाने लगा। सुरैया ने विवेक के लिए अपनी जांघों को फैलाया हुआ था।तभी विवेक ने उसे उठाकर बर्थ पर लिटा दिया. तब सुरैया ने दोनों पैरो को चौड़ा किया तू राहुल की तरह विवेक भी उसकी चूत पर झुकता चला गया, विवेक अपनी जीभ निकालकर सुरैया की चूत को चाटने लगा, सुरैया के पैर मेरी तरफ होने की वजह से नज़ारा एकदम साफ़ दिख रहा था। सुरैया कमर उछाल कर अपनी फुद्दी चटवा रही थी।

फिर विवेक ने अपनी जीभ सुरैया की चूत में पेल दी और सुरैया अपनी चूत को विवेक की जीभ पर नचाने लगी। सुरैया की चूत के नमकीन रस को विवेक मज़े से चाट रहा था।

इधर राहुल भी विवेक की तरह मेरी चूत की गुलाबी मोरी में अपनी जीभ पेलकर मेरा जिह्वा चोदन कर रहा था. विवेक की तरह राहुल ने भी मेरी टाँगों को फैलाया हुआ था।

मैं जब बेकरार हो गई तो बोली- ओह राहुल डार्लिंग अब चूत को चूसना खत्म करो और मेरी चूत में अपना लंड डाल दो, नहीं तो मैं मर जाऊँगी, आ जल्दी चोद मुझे !

मेरी बात सुनकर राहुल ने अपने लंड को मेरी चूत पर सटाकर एक करारा शॉट मारा तो उसका लंड मेरी चूत को फ़ाड़ता हुआ अंदर जाने लगा। दर्द हुआ तो मेरे मुँह से निकल पड़ा- हय राहुल, आराम से !ओह तुम्हारा तो विवेक से बहुत मोटा है। ज़रा धीरे धीरे पेलो डार्लिंग !मैं कही भागी नहीं जा रही हूँ !

राहुल मेरी बात सुनकर रुक गया और मेरी चूचियों को दबाने लगा। वह लंड को मेरी चूत में डाले दोनों मम्मों को दबा रहा था। कुछ देर बाद दर्द कम हुआ और मज़ा आया तो मैं

नीचे से गाण्ड उचकाने लगी। वह मेरी कमर के उछाल को देखकर समझ गया और धक्के लगाने लगा।

कुछ पल में ही उसका लंड मेरी चूत की तह में ठोकर मारने लगा। राहुल के साथ तो अनोखा मज़ा आ रहा था, उसके पेलने के अंदाज़ से ज़ाहिर हो रहा था कि वह चुदाई में माहिर है।वह मेरे मम्मों को दबाते हुए चूत की तली तक हमला कर रहा था। मैं होश खो बैठी थी, उधर चूत चूसने के बाद विवेक सुरैया की चूचियों को चूस रहा था। सुरैया अपने हाथ से अपने मम्मों को विवेक को चूसा रही थी। सुरैया ने विवेक के कपड़े अलग कर दिए थे और उसके लंड को मुठिया रही थी।

वह मेरी ओर देखकर बोली- ओह विवेक, देखो ना राहुल और आयशा को कैसे मज़े से चोद रहा है। तुम भी अब मुझे तरसाओ नहीं और जल्दी से मेरी चुदाई करो।

विवेक ने सुरैया के पैरों को अपने कंधे पर रखकर लंड को उसकी चूत पर रगड़ना शुरू किया तो सुरैया बोली- हाय मेरे राजा, क्यों मुझे तड़पा रहे हो ? हय जल्दी से मुझे अपने लण्ड से भर दो।

विवेक ने अपने लंड को उसकी चूत पर लगा धक्का लगाया तो चौथाई लंड उसकी चूत में चला गया। सुरैया ने उसके चूतड़ों को दबाते हुए कहा- पूरा डाल कर मेरी फुद्दी मारो !

वो दोनो एक दूसरे के विपरीत धक्के लगाने लगे और इस तरह विवेक का पूरा लंड सुरैया की चूत में चला गया। सुरैया की चूत के बाल उसके लंड के चारों ओर फैल गये थे। विवेक पूरा पेलकर उसके मम्मों को मसलने लगा था।

इधर राहुल मेरी चूत में अपने मोटे लंबे लंड को पक्क पक्क अंदर-बाहर कर रहा था और मैं हर धक्के के साथ सिसक रही थी। विवेक से ज़्यादा मज़ा मुझे इस अजनबी राहुल के साथ

आ रहा था। मैं चुदवाते हुए दूसरी बर्थ पर भी देख रही थी। विवेक उरोजों को मसलते हुए सुरैया की चूत को चोद रहा था और वह नीचे से कमर उचकाते हुए विवेक की गाण्ड को कुरेद रही थी।

अब विवेक सुरैया की चूचियों को मुँह में लेकर चूसते हुए तेज़ी से चुदाई कर रहा था।

सुरैया मदहोशी में बोली- ओह विवेक, मेरे यार, बहुत मज़ा आ रहा है !हाय !और ज़ोर से चोदो !पूरा जाने दो !फाड़ दो मेरी चूत !चिथड़े उड़ा दो !

सुरैया पूरे जोश में अपनी कमर उचकाकर लंड का मज़ा ले रही थी। मैं उन दोनों की चुदाई का नज़ारा करते राहुल से चुदवा रही थी। राहुल ज़ोर ज़ोर से धक्के लगाने लगा तो मुझे ऐसा लगा कि मेरी चूत से पानी निकल पड़ेगा।

ऐसा महसूस करते ही मैं राहुल से बोली- आ राहुल डार्लिंग, मेरा निकलने वाला है, राजा मेरी हेल्प करो, तुम भी मेरे साथ ही अपनी मलाई मेरी चूत में ही निकालो।

राहुल पर मेरी बोली का असर हुआ और वह तेज़ी से चुदाई करने लगा, कुछ देर में ही मेरी चूत से फव्वारा चलने लगा और मेरे साथ ही राहुल के लण्ड की पिचकारी भी चल दी। उसकी पिचकारी ने गरम पानी से मेरी चूत भर दी।

जब मेरी चूत भर गई तो मलाई चूत से बाहर निकलने लगी। झड़ने के बाद हम दोनों एक दूसरे लिपटकर उखड़ी सांसों को दुरुस्त करने लगे।

मेरा ध्यान फिर सुरैया की तरफ गया। सुरैया मदहोशी में कराह रही थी और कमर को लहराते हुए विवेक से चुदवा रही थी। कुछ देर बाद जब राहुल अलग हुआ तू में उठकर सुरैया के पास गई, मेरी चूत लंड के पानी से चिपचिपा गई थी और राहुल के लंड ने इतना ज़्यादा पानी उगला था कि जांघें तक भीगी थी।

मैं ऐसे ही सुरैया के पास गई और उसको लिप्स पर किस करने लगी। सुरैया ने मेरी गर्दन को अपने हाथों से पकड़ लिया और मेरे सिर को अपनी चूचियों पर लाने लगी. मैं समझ गई कि वह अपनी चूचियों को चुसवाना चाहती है।

मैं उसके एक मम्मे को मुँह में लेकर चूसने लगी, उसकी एक मोटी मोटी चूची को चूसते हुए मैं दूसरी को दबाने लगी। सुरैया चूतड़ तेज़ी से उठाने गिराने लगी और विवेक भी ज़ोर ज़ोर से धक्के देने लगा।

20-22 धक्कों के बाद सुरैया की गाण्ड रुक गई, उसकी चूत से पानी गिरने लगा था। विवेक ने भी दो चार धक्के और लगाए और सुरैया के ऊपर लेटकर लंबी लंबी साँसें लेने लगा। उसका लंड भी गरम लावा निकाल रहा था। विवेक अपनी क्लासमेट की चूत में अपने लंड का माल उड़ेल रहा था। वो दोनों काफ़ी देर तक सुस्त होकर एक दूसरे से चिपके रहे।

फिर वो अलग हुए तो मैंने सुरैया की ओर अपनी चूत कर दी औड़ खुद उसकी चूत चाट कर साफ़ करने लगी। सुरैया भी मेरी चूत चाटने लगी। फिर हम दोनों ने उन दोनों के ढीले लण्डों को भी चाट कर साफ किया। फिर हम लोग अलग होकर सोने चले गये।

Other stories you may be interested in

भाभी के साथ मजेदार सेक्स कहानी-2

मेरी सेक्स की कहानी के पहले भाग भाभी के साथ मजेदार सेक्स कहानी-1 अब तक आपने पढ़ा कि मेरी बिल्डिंग में रहने वाली पारुल भाभी का दिल मुझ पर आ गया था. हम दोनों में चुदाई छोड़ कर सब कुछ […]
Full Story >>>

प्यार की नयी परिभाषा

मेरा नाम हिमांशु है और मैं छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में रहता हूं. आज मैं आपको अपनी जिंदगी में घटी सबसे बड़ी घटना बताने जा रहा हूं. यह बात तब की है जब मैं बाहरवीं कक्षा में पढ़ता था. मेरी […]
Full Story >>>

बहन बनी सेक्स गुलाम-6

अभी तक आपने पढ़ा कि मेरी रंडी बहन मुझे चुदाई के खेल में खेल रही थी मैं उसके साथ वाइल्ड सेक्स कर रहा था, जोकि उसी की पसंद थी. अब आगे : मैं उसके पीछे आया और उसके बाल पकड़ कर […]
Full Story >>>

ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूं वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे […]
Full Story >>>

ज़िम वाले लड़के के साथ दोबारा सेक्स का मजा लिया-2

मेरी सेक्स कहानी के पिछले भाग ज़िम वाले लड़के के साथ दोबारा सेक्स का मजा लिया-1 में अब तक आपने पढ़ा कि मुझे अपने मायके जाना था. विकी से जब मैंने ये सब कहा, तो उसने मेरी चुदाई के लिए […]
Full Story >>>